[Shri Hajni Harijan Sahu]

exchange and due to the apathy of the SBI, the country is losing Rs.350 crores in export earnings. On the other hand, due to the apathy of the SBI, the country is losing Rs. 350 crores... (Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: What is this clapping for?

AN HON. MEMBER: Dr. Narreddy Thulasi Reddy has come to the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I thought it was for somebody's birthday or was it for Shri K. K. Birla's 50th wedding anniversary? Everybody comes to the House. Why don't we clap?

SHRI RAJNI RANJAN SAHU: We also welcome Shri Thulasi Reddy.

The Delhi Small-Scale Industrial Development Corporation Entrepreneurs' Welfare Association has staged a dharna protesting against the corruption in the SBI. The SBI, Delhi and the UCO bank, Calcutta, have bungled on the granting of loans to farmers. Loans are sanctioned by the NABARD to the UCO bank for disbursement to the agriculturists and the tea plantations—which are foreign exchange earners but they are not a disburseed to the parties. Thus a heavy burden has fallen on these units leading to their closure. May I request the Government to give a direction to the SBI to grant loans to these units as per the guidelines of the RBI so that these units are not closed down? In this connection, I request the Government to enquire into the matter immediately and appoint a high-power committee to look into all the matters concerning the apathy of the bank to the entrepreneurs and the agriculturists.

Murder of wife by Superintendent of Police (Vigilance), Kanpur

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उपसभापति महोदया, मेरे पास एक बहुत ही गम्भीर शिकायत आई है। कानपुर के जो गुप्तचर शाखा के एस.पी. हैं उन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती मंजु की हत्या कर दी। चूंकि वे एस. पी. हैं इसलिए पुलिस वाले इस पर उचित कार्यवाही नहीं करते हैं। उनकी छोटी सी बच्ची है। वह गिरिडीह की है। गिरिडीह से इसलिए मेरा रिश्ता है कि मैं वहां से तीन तीन बार एम. एल. ए. होकर आया हूं। इसलिए उनके परिवार वाले मेरे पास आये थे।

इस तरह की घटना घटी है। मैं चाहता हूं कि गृह मंत्री जी इस मामले में विशेष रुचि लेकर इसकी जांच करवा दें क्योंकि अगर हमारी गुप्तचर शाखा में या पुलिस सेवा में क्रिमिनल लोग रहते हैं तब तो फिर इस देश का कोई देखने वाला नहीं रहेगा। मंजु के पिताजी ने हमसे कहा कि वे मारुति कार मांग रहे थे। ये लोग देने के लिए तैयार भी थे जैसाकि उन्होंने मुझे कहा। वे सिर्फ समय चाहते थे कि हम एक साल में रुपये पैसे का इंतजाम कर लें तब हम उनको कार दे दें। मैं चाहता हूं कि गृह मंत्री जी इस बात पर जांच करा कर देखें। यह तो डाउरी के लिए हत्या हुई है और दूसरी बात एक पत्नी की हत्या हुई है। जब एस.पी. ही करता है तब इस मुल्क की हिफाजत कौन करेगा। इसलिए मैं चाहता हूं कि आप इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें।

गृह मंत्री (श्री एस. बी. चव्हाण) : स्टेट गवर्नमेंट के हैं ?

श्री चतुरानन मिश्र : आई.पी.एस. के हैं। आई.पी.एस. तो सेंटर का है। महानगर की गुप्तचर शाखा में तैनात हैं भारतीय पुलिस सेवा···अगर आप कहें तो अखबार से पढ़कर यह मैं बता दूं।

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब चूंकि यह गम्भीर मसला है, महिला का है, वाइफ का है इसलिए आप स्टेट गवर्नमेंट का भी हो तो भी पता लगाकर जरूर इसकी जांच करायें।

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam, I entirely associate myself with what the hon. Member Shri Chaturanan Mishra said.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Killing of the wife for dowry is an offence. He is the law enforcement officer. If he commits such an offence, it is more serious and more grave.

SHRI RAJNI RANJAN SAHU (Bihar): Thank you for giving the direction to the Home Minister at once.

Detaining and killing of Policemen by the Bharatiya Kisan Union, in Muzaffarnagar, Uttar Pradesh

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश): बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदया, जो आपने मुझे स्पेशल मेंशन का मौका दिया। महोदया, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बढ़ती हुई आराजकता की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करती हुई इस सदन के माध्यम से मैं कहना चाहती हूं कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में धोलड़ी गांव में 16 तारीख को टिकैत की किसान यूनियन नाम की एक संस्था ने जो अराजक तत्वों का गिरोह है, उसने चार पुलिस कर्मियों को बंधक बना रखा था और एक की हत्या करके उसके शव को छत पर सड़ने के लिए डाल दिया। उस शव से बदबू आने लगी। पुलिस वहां लगी हुई थी, पुलिस कर्मियों को छुड़ाने के लिए पर पुलिस की हिम्मत नहीं पड़ रही थी उस गांव में घुसने की ताकि वह बंधक पुलिस कर्मियों को छुड़ा ले और उस सड़ते हुए शव को उठा ले आये।

वहां पी.ए.सी. भी लगी हुई थी। यही नहीं, वहां पर उस किसान यूनियन या लकैत यूनियन के नेता है महेन्द्र सिंह टिकैत, उन्होंने यह आह्वान किया था कि जितने भी लोग हैं, सभी जो किसान लोग हैं या अन्य लोग हैं, वह जायज या नाजायज हथियार लेकर उस गांव में जमा हो जायें और पुलिस का मुकाबला करें।

महोदया, यह पूरे प्रदेश और प्रशासन के लिए शर्म की बात है। इससे पहले भी मेरठ के निलोहाग्राम में एक कांड हो चुका है, जिसमें एक दारोगा और सिपाही मारा गया था। इस तरह की घटनाएं आम तौर से इस क्षेत्र में होती जा रही हैं। सब से बड़ी शर्मनाक बात यह है कि प्रशासन इस पर कोई अंकुश लगाना नहीं चाहता क्योंकि पिछले चुनाव में टिकैत यूनियन और किसान यूनियन ने भारतीय जनता पार्टी की मदद की थी और उस मदद के बदले वह पूरी तरह से अपनी शर्तों पर मनमानी करते जा रहे हैं, हालांकि पुलिस बंधकों को अब उनकी शर्मनाक शर्तों पर सरकार ने वहां एक मंत्री को भेजकर छुड़ाया है।

यह बड़े शर्म की बात है। वहां पर इतना भारी आतंक है कि जब पुलिस वालों का ही जीवन किसी तरह सुरक्षित नहीं है। तो वहां पर दलित और पिछड़े वर्ग के लोग पूरी तरह से गांव छोड़ कर भाग रहे हैं। जो लोग रह गये हैं, वह अपनी जान हथेली पर रख कर गुलामी में जी रहे हैं। यह प्रदेश सरकार के लिए बड़ी शर्म की बात है। केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए, वरना पुलिस दलों का मनोबल इतना टूट चुका है कि वह जनता की रक्षा का काम करने के लिए आगे नहीं आ सकते हैं क्योंकि प्रदेश सरकार वहां पर अराजक तत्वों को पूरा संरक्षण दे रही है।

तो मैं आपका ध्यान आकर्षित करते हुए यह कहना चाहती हूं कि केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए और सारी बात पर ध्यान देकर पुलिस दलों का मनोबल बनाये रखने के लिए तुरंत इसमें हस्तक्षेप करना ही चाहिए।

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश): महोदया, इनका आरोप बिलकुल निराधार है। यह सारी हरकतें इनके राज में होती रही हैं। ... **(व्यवधान)**